



रिलीफ

अत्रि मुनि-अनुसूया मार्गदर्शन

१९'८" X ७'२"

माँ मंदाकिनी के पावन तट पर स्थित अत्रि-अनुसूइया आश्रम में वे पहुँचे। दोनों को प्रणाम किया। आशीष पाया।
आतिथ्य के बाद विचार-विनिमय हुआ। राम, सीता व लक्ष्मण चित्रकूट में रहें, यह निर्णय हुआ।

Ram, Sita and Lakshman reached the hermitage of Atri Muni and Anusuya situated on the beautiful banks of the Mandakini. They sought their blessings and were advised to stay in Chitrakoot.